प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

तीन–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय द्वारा मुर्गी पालन एवं पशुधन पालन के माध्यम से उत्तराखण्ड के अनुसुचित जाति का सशक्तिकरण हेतु ग्राम– राईकोट एवं चौकी, विकास खण्ड लोहाघ ाट पर तीन–दिवसीय व्याख्यान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण का आयोजन 28 जून 2024 से किया गया।

इस अवसर पर कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान द्वारा राईकोट एवं चौकी ग्राम के 40 कृषकों को मुर्गी पालन हेतु एक किट जिसमें 40 चूजे, 5 किलो पक्षी दाना, मिनरल मिक्चर, दवाई एवं पानी पिलाने का पात्र अपने कर कमलो से वितरित किया। उन्होंने कृषकों से कहा कि वैज्ञानिकों के द्वारा दिये गये तौर तरीकों एवं दिशा–निर्देशों का पालन कर उनको अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं क्योंकि वैज्ञानिकों के तौर तरीके शोध पर आधारित होते है। साथ ही उन्होंने कहा कि मुर्गियों से प्राप्त अण्डों को अपने बच्चों को आहार के रूप में दें ताकि बच्चों को भरपूर पोषण मिले क्योंकि अण्डों में प्रोटीन की मात्रा अत्यधिक पायी जाती है। अनुसूचित जाति एवं जनजाति की योजना के अन्तर्गत होने वाले प्रशिक्षण कृषि विज्ञान केन्द्रों पर आयोजित किये जायेंगे जिसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक परियोजना अधिकारी के रूप में प्रशिक्षण में उपस्थित होंगे। उन्होंने इस कार्यक्रम में किसानों को जुड़ने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रशिक्षण का आयोजन परियोजना अधिकारी डा. रिपूसुधन कुमार, सह परियोजना अधिकारी डा. वी.सी. मण्डल एवं डा. एस.के. सिंह द्वारा किया गया। प्रशिक्षण में कृषि विज्ञान केन्द्र लोहाघाट के वैज्ञानिक डा. सचिन पंत का भी सहयोग रहा। इस अवसर पर प्रशिक्षण में अधिष्ठाता पशुचिकित्सा एवं पशुपालन डा. एस.पी. सिंह; अधिष्ठाता प्रौद्योगिक डा. अलखनन्दा अशोक; निदेशक शोध डा. ए.एस. नैन; निदेशक प्रसार शिक्षा डा. जितेन्द्र क्वात्रा; निदेशक संचार डा. जे.पी. जायसवाल; संयुक्त निदेशक डा. सुभाष चन्द्र; डा. आर.के. शर्मा, डा. अरूण कुमार उपस्थित थे। प्रशिक्षण में किसानों को प्रमाण–पत्र भी वितरित किया गया।

2. प्रशिक्षण में कृषकों को प्रमाण–पत्र वितरित करते कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान एवं अन्य।

निदेशक संचार